नार्वे से पधारे लेखक ने सुनाई कहानी

25 सितम्बर को साहित्य अकादमी में हुए 'प्रवासी मंच' कार्यक्रम के तहत नॉर्वे से पधारे लेखक सुरेश चंद्र शुक्ल ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवास राव ने उन्हें पुस्तक भेंट कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक अनुपम तिवारी ने की।

सुरेश चंद्र शुक्ला ने अपनी कहानी 'वापसी' की प्रस्तुती दी। कहानी में उन्होंने एक प्रवासी भारतीय कैसे अपने देश लौटते समय उत्साहित होता है, इस दृश्य का वर्णन किया।

प्रस्तुति देने के बाद के बाद शुक्ल ने श्रोताओं से बातचीत करते हुए कहा कि नॉर्वे में भारत के करीब 24 हजार लोग रहते हैं। वहां हिन्दी के अलावा पंजाबी, उर्दू व तमिल भाषा बोलने वाले लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। शुक्ला ने कहा कि नॉर्वे में भारतीय भाषाओं को भी पढ़ाया जाता है। इन भारतीय भाषाओं को प्रारंभिक व विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाए जाने की नॉर्वे सरकार ने व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि नार्वे में हिन्दी भाषा में पत्र-पत्रिकाएं भी निकलती हैं।